



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 231]
No. 231]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 5, 1987/वसाख 15, 1901
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 5, 1987/VAISAKHA 15, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

विदेश मंत्रालय
(राजत्व विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1987

प्रविवक्षणा

(सं. 198/87-सीमा शुल्क)

सा.का.नि. 456(क)—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 24 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, अपने यह समाधान की जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के उपावह में विनिर्दिष्ट माल को जिसे (इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उक्त भारत में भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा लोक शूचना सं. पी एन/69/आई टी सी (पी एन)/1974 तारीख 10 अक्टूबर, 1984 में अधिसूचित मुक्त व्यापार जोन में प्राप्ति के विनिर्माण के लिए आयात और निर्यात सीमा, 1984-83 के उपावह-20 से 22 के अनुसार, एकीकृत के अधीन सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक मियवि प्रसंकरण जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त जोन कहा गया है) में स्थापित करने और प्राप्ति युनिटों द्वारा या उतकी ओर से आयात किया जाए, सीमा शुल्क

टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पट्टी पाठ्यकी के अधीन उस पर उद्यमणीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्यमणीय अनिर्दिष्ट शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित बातों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्—

- (1) आयातकर्ता को उक्त जोन में विनिर्माण युनिट या युनिटें स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता, जहां कहीं उपेक्षित हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किसी साधारण या विनिर्दिष्ट अनुज्ञापत्र के अन्तर्गत आता है;
- (3) आयातकर्ता को उक्त माल को आयात करने के लिए आवश्यक अनुज्ञापत्र संभूर की गई है;
- (4) आयातकर्ता 0.999 की विमुक्तता और शूचना होने स्वर्ण का भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अधिहित किसी अन्य अधिकरण के माध्यम से सिवाय आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टंकमाल, मुम्बई द्वारा, ऐसी विमुक्तता और शूचना का स्वर्ण पर पहचान विहित-मुद्रित किया गया है;

- (5) आयातकर्ता, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान करेगा कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों के विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात का संवर्धन करने के संबंध में किया जाएगा ;
- (6) आयातकर्ता, ऐसे प्ररूप और ऐसी राशि के लिए, जो उक्त जोन के विकास आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, एक बंधपत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है जिसमें वह निर्यात बाध्यताओं का पालन करने और अन्य बातों के साथ साथ इस अधिसूचना के अनुबद्ध शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं को बाध्य करता है ;
- (7) आयातकर्ता उक्त जोन में माल को लाने और उक्त जोन के भीतर, भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों का विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात के संवर्धन करने के लिए उनका उपयोग करने के लिए, करार करता है ;
- (8) आयातकर्ता, उक्त जोन के भीतर विनिर्मित या पैक किए गए सभी माल का भारत के बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है ;
- (9) आयातकर्ता, माल के आयात उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा समय समय पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त को, ऐसे प्ररूप में और ऐसी नीति से प्रस्तुत करेगा जो सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा अधिस्थित द्वारा अधिस्थित की जाए ;
- (10) उक्त जोन में विनिर्मित रत्न और आभूषण, जिसके अंतर्गत प्रतिक्षेपित माल भी हैं जो भारत में किसी अन्य स्थान में (अर्थात् घरेलू टैरिफ क्षेत्र) किसी भी प्रयोजन के लिए नहीं लाया जाएगा ;
- (11) उस दशा में जब कोई युनिट अपना प्रचालन बंद करती है, आभूषणों के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातुएं मिश्रधातु, रत्न और सामग्री भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस निमित्त नामनिर्दिष्ट अभिकरण को सौंप दी जाएगी ;
- (12) विनिर्माण प्रक्रिया में हुई स्वर्ण की हानि, जो जड़ाऊ आभूषणों की दशा में 3% से और हस्तशिल्पित या मशीन निमित्त सादा आभूषणों की दशा में 2% से अधिक होगी, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, द्वारा ऐसी शर्तों को पूरा करने पर, जो विनिर्दिष्ट की जाएं, अनुज्ञात की जाएगी; और जांचने और जड़ाई और वैसे ही दशा में अनुज्ञात अपशिष्ट का अवधारण निर्यात की गई प्रत्येक जांच और जड़ाई के वैसे ही स्वर्ण की अंतर्वस्तु के भार के आधार पर किया जाएगा ;
- (13) इस अधिसूचना के अधीन निर्यात, केवल मुम्बई विमान पत्तन से, वायु माल भाड़े द्वारा किया जाएगा ;
- (14) आयातकर्ता, मांग किए जाने पर, निम्नलिखित पर उद्बुद्ध्यनीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करेगा ;
- (क) ऐसे माल पर जो ऐसी पूंजी माल है, जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रब रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

- (1) उक्त जोन के भीतर संस्थापित किया गया है या अन्यथा उपयोग में लाया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई अवधि के भीतर,

जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त जोन के भीतर उनका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे ;

- (2) उक्त जोन के भीतर संस्थापन या उपयोग किए जाने के पश्चात जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है ;

(ख) पूंजी माल से भिन्न, ऐसे माल पर जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रब रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

- (1) भारत के बाहर निर्यात के लिए उक्त जोन के भीतर रत्न और आभूषण के विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात के संवर्धन के लिए उपयोग किया गया है, या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गई तारीख अवधि के भीतर जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उसका उपयोग न किए जाने या उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है ;

- (2) रत्न और आभूषण के निर्यात के संवर्धन के संबंध में उक्त जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है ।

स्पष्टीकरण इस अधिसूचना के प्रयोजन, पर सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक निर्यात प्रसंस्करण जोन में, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय (राजस्व विभाग) की समय समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. 227 सीमाशुल्क/79 तारीख, 30 नवम्बर, 1979 के पैरा 2 में यथाविनिर्दिष्ट सीमाबद्ध स्थान समाविष्ट होंगे ।

उपाध्व

माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. घटक
4. उत्पादन मशीनरी के प्रतिरिक्त पुर्ने
5. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित उपभोग्य
6. औजार, जिग, प्रसापी, बुड़नार, सांके, डाई, मंज और उपसाधन
7. पैकिंग सामग्री
8. प्रावि प्ररूप और तकनीकी नमूने
9. विदेशी नेता द्वारा परिवान या सम्मत के लिए लेने में अवफल रहने पर उक्त जोन से आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पुनः आयातित माल ।

[सं. 196/87-सीमाशुल्क एक सं. 305/84/86-एफ डी टी]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 5th May, 1987

NOTIFICATION

No. 196/87-CUSTOMS

G.S.R. 456(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,

being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into India by or on behalf of the gem and jewellery units set up in Santa Cruz Electronic Export Processing Zone (hereinafter referred to as the said Zone) under the Scheme, for the manufacture of jewellery in free trade zones notified by the Government of India, in the Ministry of Commerce in Public Notice No. P.N. 59/ITC(PN)1984, dated the 10th October 84, as Annexure V to Appendix 22 of the Import and Export policy, 1984-85, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the addition duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

- (i) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the said Zone;
- (ii) the importer is covered wherever required by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence, for the import of the said goods;
- (iv) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other Agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint., Bombay;
- (v) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods so imported shall be used in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India, or for the promotion of exports of gem and jewellery;
- (vi) the importer agrees to execute a bond in such form and of such sum as may be specified by the Development Commissioner of the said Zone binding himself to fulfil the export obligation & to fulfil inter alia, the conditions stipulated in this notification;
- (vii) the importer agrees to bring the goods into the said Zone and use them within the said Zone in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India or for the promotion of such exports of gem and jewellery;
- (viii) the importer agrees to export out of India all goods manufactured or packaged within the said Zone;
- (ix) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the goods and of exports made by him and shall submit such account periodically to the Assistant Collector of Customs,

in such form and in such manner, as may be laid down by the Collector of Customs;

- (x) gem and jewellery, including the rejects, manufactured in the said Zone, shall not be brought to any other place in India (that is to say the Domestic Tariff Area) for whatever purpose;
- (xi) in the event of such a Unit ceasing its operation, gold, other precious metals, alloys, gem and material for the manufacture of jewellery shall be handed over to the Agency, nominated in this behalf by the Government of India in the Ministry of Commerce;
- (xii) the loss of gold in the manufacturing process, not exceeding 3 per cent in the case of studded jewellery, and 2 per cent in the case of handcrafted or machine-made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as he may specify; and in the case of findings and mountings and the like, the wastage allowed shall be determined on the basis of the weight of the gold content of each findings, mountings and the like exported;
- (xiii) export under this notification shall be allowed only by air freight through the Bombay Airport;
- (xiv) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable:—
 - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been:—
 - (i) installed or otherwise used within the said Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the said Zone or for not re-exporting them within the said period, allow;
 - (ii) retained within the said Zone after installation or use inside the said Zone;
 - (b) on goods, other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been:—
 - (i) used in connection with the manufacture or packaging of gem and jewellery within the said Zone for export out of India or for the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-

exporting them within the said period, allow:

- (ii) retained within the said Zone in connection with the promotion of exports of gem and jewellery.

EXPLANATION: For the purposes of this notification, the Santa Cruz Electronic Export Processing Zone shall comprise of the places enclosed by the boundaries as specified in paragraph 2 of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 227-Customs/79 dated the 30th November, 1979 as amended from time to time.

ANNEXURE

Description of goods

1. Capital goods.
2. Raw Materials.
3. Components.
4. Spares of production machinery.
5. Consumables required for manufacture of goods
6. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instrument and Accessories.
7. Packaging Materials.
8. Prototypes and technical samples.
9. Goods de-imported within one year from the date of exportation from the said Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.

[No. 196/87-Customs F. No. 305/84/86-FTT]

अधिसूचना

सं. 197/87—सीमाशुल्क

सा.का.नि. 457 (घ) केन्द्रीय सरकार, वित्त विभाग, 1987 के चंड 95 के उपखंड (4), जो चंड प्रारम्भ कर संशोधन अधिनियम,

1931. (1931 का 18) के अधीन उत्तर विभाग में की गई घोषणा के आधार पर विधि बन गये रखता है, के साथ प्रति सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राज्य विभाग की अधिसूचना सं. 113/87—सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1987 से निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की धनुषी में, 295 कम में, और उससे संबंधित प्रविष्टियों के चंडात् निम्नलिखित कम में, और प्रविष्टि प्रस्तुतवाचित की जाएगी, अर्थात्:—

296 "सं. 196/87—सीमाशुल्क, तारीख 5 मई, 1987"

[सं. 197/87—सीमाशुल्क फा.सं. 305/84-86-एफ, टी टी]
आर. के. कपूर, अधीन सचिव

NOTIFICATION

No. 197/87-CUSTOMS

G.S.R. 457(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-clause (4) of clause 95 of the Finance Bill, 1987 which clause has, by virtue of the declaration made in the said Finance Bill under the Provisional Collection of Taxes Act 1931 (16 of 1931), the force of law the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 113/87-Customs dated the 1st March, 1987, namely:—

In the Schedule to the said notification,— after Serial No. 295 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted namely:—

"296 No. 196/87-Customs, dated 5th May 1987.

[No. 197/87-Customs F. No. 305/84/86-FTT]
R. K. KAPOOR, Under Secy.